जामिया मिल्लिया इस्लामिया

जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय

प्रेस विज्ञप्ति 16 सितम्बर, 2020

जामिया की इग्ज़ेक्यटिव काउन्सल ने प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिले करने सहित अन्य अहम फैसले किए

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, शैक्षिक सत्र-2020-21 के लिए, अपने यहां विभिन्न पाठ्यक्रमों के दाखिले लिखित परीक्षा के आधार पर करेगा। 15 सितंबर को विश्वविद्यालय की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली इग्ज़ेक्यटिव काउन्सल (ईसी) की एक अहम ऑनलाइन मीटिंग में यह फैसला लिया गया। परीक्षा के मोड और अन्य तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने के बाद, तय वक़्त में उन्हें घोषित किया जाएगा।

इग्ज़ेक्यटिव काउन्सल ने यह भी मंजूरी दी है कि विभिन्न पाठ्यक्रमों के फाइनल सेमेस्टर / वर्ष के नतीजों का विश्वविद्यालय द्वारा जल्द से जल्द ऐलान किया जाएगा।

कैंपस में बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) और बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी) की आखिरी साल की परीक्षा के आयोजन और परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा के बारे में ईसी को अवगत कराया गया।

जामिया ने सभी फैकल्टी के अंतिम वर्ष / सेमेस्टर की परीक्षाएं 05.06.2020 से 20.06.2020 तक आयोजित की थीं, सिवाय दंत चिकित्सा संकाय (एफओडी) और फिजियोथेरेपी और पुनर्वास विज्ञान केंद्र (सीपीआरएस) के लिए, क्योंकि विश्वविद्यालय इनके लिए संबंधित गवर्निंग निकायों के दिशानिर्देशों का इंतजार कर रहा था।

जामिया के स्कूलों की प्रवेश परीक्षाओं के बारे में भी ईसी को अवगत कराया गया, जिन्हें विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित करने संबंधित कार्यक्रम को पहले ही घोषित किया जा चुका है।

बैठक में इस बात को भी मंज़ूरी दी गई कि कोविड-19 के मौजूदा हालात को देखते हुए छात्रों को दो किश्तों में विश्वविद्यालय और स्कूल की फीस जमा करने की सहूलियत दी जा सकती है। हालांकि, छात्रों को वार्षिक / सेमेस्टर / बोर्ड परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी करने से पहले बाक़ी फीस जमा करनी होगी।

इग्ज़ेक्यटिव काउन्सल ने एक एकीकृत जामिया लाइब्रेरी सिस्टम (आईजेएलएस) के प्रस्ताव और उसकी अंतिम संरचना को भी मंजूरी दे दी है, जिसके तहत जामिया के सभी 34 फैकल्टी और सेंटर के पुस्तकालयों को एक आईजेएलएस में बदल दिया जाएंगे।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक